सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी हिंदी साहित्य के **नई कविता** दौर के एक अत्यंत महत्वपूर्ण कवि और साहित्यकार थे। उनका जन्म **15 सितंबर 1927** को उत्तर प्रदेश के **बस्ती** जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम **विश्वेश्वर दयाल सक्सेना** और माता जी का नाम **सौभाग्यवती देवी** था। जो एक साधारण परिवार से थे। सर्वेश्वर जी की प्रारंभिक शिक्षा बस्ती में ही हुई। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से **एम.ए. (हिंदी)** की डिग्री प्राप्त की। अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने कुछ समय तक अध्यापन (शिक्षण) कार्य भी किया। उन्होंने कविता के साथ-साथ नाटक, कहानी, उपन्यास और निबंध जैसी **गद्य विधाओं** में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

:-: प्रमुख रचनाएँ :-:

उनकी कुछ प्रसिद्ध कहानियाँ :

- भूख
- बैल
- जेब में रुमाल
- बदनाम

- **कविता संग्रह:**
    - 'बाँस का पुल'
    - 'एक सूनी नाव'
    - 'गर्म हवाएँ'
    - 'कुआनो नदी'
    - 'जंगल का दर्द'
    - 'खूँटियों पर टँगे लोग'

- **बाल साहित्य:** उन्होंने बच्चों के लिए भी सुंदर और मनोरंजक साहित्य रचा।

- **पत्रकारिता:** उन्होंने प्रसिद्ध पत्रिका **'दिनमान'** का संपादन किया और **'पराग'** नामक बाल पत्रिका का भी संपादन किया।

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी को उनकी कविता संग्रह **'खूँटियों पर टंगे लोग'** के लिए **1983** में **साहित्य अकादमी पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।

- उनका **निधन 23 सितंबर 1983** को नई दिल्ली में हुआ था।